RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 181
दि. 02.11.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी ने सौंपी कई सौगातें, कहा- छत्तीसगढ़ की स्वर्णिम शुरुआत का दिन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के मौके पर रायपुर में आयोजित रजत महोत्सव में प्रदेश को कई सौगात सौंपी हैं. पीएम मोदी ने रायपुर में रजत महोत सव में शामिल होने आई जनता का दोनों हाथ जोड़कर अभिवादन किया.

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के रजत महोत्सव में प्रदेश को सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया. पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से उनका गहरा नाता है. उन्होंने कार्यकर्ता के रूप में यहां समय बिताया और राज्य के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त किया. छत्तीसगढ़ के परिवर्तन का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला. प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों को बधाई दी और कहा कि 2025 भारतीय गणतंत्र का अमृत वर्ष है. उन्होंने संविधान निर्माण में योगदान देने वाले महान विभूतियों का सम्मान किया. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए उन्होंने कहा कि अटल जी का सपना साकार हो रहा है और छत्तीसगढ़ विकास की नई इबारत लिख रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्लसाल 2000 में जब अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया, तो वो निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं था. वो निर्णय विकास की नई राह खोलने का था. वो निर्णय छत्तीसगढ़ की आत्मा को पहचान दिलाने का था. इसलिए आज जब इस भव्य विधानसभा के साथ-साथ अटल जी की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ है, तो मन कह उठता है, अटल जी जहां भी हों, अटल जी देखिए, आपका सपना साकार हो रहा है.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर राज्य की 25 वर्ष की यात्रा को रेखांकित करते हुए एक 'नए युग' के सूर्योदय की घोषणा की. अपने उद्बोधन की शुरूआत छत्तीसगढ़ी भाषा में करते हुए, पीएम मोदी ने 25 साल पहले अटल जी की सरकार द्वारा बोए गए विकास के बीज की सराहना की, जो अब एक 'वटवृक्ष' बन चुका है. प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया. उन्होंने राज्य में कनेक्टिविटी के व्यापक विस्तार पर प्रकाश डाला, जिसमें पिछले 11 वर्षों में नेशनल हाईवे का विस्तार, और रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर जैसे

शहरों को जोड़ने वाली रेल और हवाई कनेक्टिविटी में सुधार शामिल है. उन्होंने छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को भी श्रेय दिया.

3 करोड़ नए घर बनाने का लक्ष्य, सरकार हर गरीब को पक्का घर देगी

गरीबों को सम्मान दिलाने के अपने संकल्प को दोहराते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार हर गरीब को पक्का घर देने के लिए प्रतिबद्ध है और 3 करोड़ नए घर बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है. उन्होंने बताया कि हाल ही में साढ़े 3 लाख से अधिक परिवार नए घरों में प्रवेश कर रहे हैं, और बीते एक साल में 7 लाख घर गरीबों के लिए बनाए गए हैं. उन्होंने उज्ज्वला गैस सिलेंडर योजना की सफलता पर भी बात की, जिसने सामान्य परिवारों के लिए छढऋ गैस सिलेंडर के सपने को पूरा किया है. माओवाद और नक्सलवाद को राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधा बताते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 50-55 साल तक इसका कष्ट झेला है. उन्होंने कहा कि 11 साल पहले जहां देश के सवा सौ जिले माओवाद से प्रभावित थे, वहीं आज सिर्फ 3 जिले बचे हैं. पीएम ने दृढ़ता से कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश का हर कोना माओवाद से मुक्त होगा. उन्होंने बस्तर में हो रहे 'बस्तर पांडुम' और 'बस्तर ओलंपिक' जैसे सकारात्मक कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जो हिंसा के रास्ते से लौटे युवाओं के समर्पण का परिणाम हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आने वाला वक्त महत्वपूर्ण है, और ह्लमोदी की गारंटी' के तहत युवाओं के हर संकल्प और कदम के साथ सरकार खड़ी है.

माओवाद और नक्सलवाद राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधा हैं. पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 50-55 साल तक इसका कष्ट झेला है. उन्होंने कहा कि 11 साल पहले जहां देश के सवा सौ जिले माओवाद से प्रभावित थे, वहीं आज सिर्फ 3 जिले बचे हैं. पीएम ने दृढ़ता से कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश का हर कोना माओवाद से मुक्त होगा. उन्होंने बस्तर में हो रहे 'बस्तर पांडुम' और 'बस्तर ओलंपिक' जैसे सकारात्मक कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जो हिंसा के रास्ते से लौटे युवाओं के समर्पण का परिणाम हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आने वाला वक्त महत्वपूर्ण है, और ह्लमोदी की गारंटी' के तहत युवाओं के हर संकल्प और कदम के साथ सरकार खड़ी है.

पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर गरीबों को सम्मान दिलाने के अपने संकल्प को दोहराया. पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार हर गरीब को पक्का घर देने के लिए प्रतिबद्ध है और 3 करोड़ नए घर बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है.

स्मार्टफोन पर समय बर्बाद न करें... गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ कर सीएम योगी ने युवाओं को दिया ये संदेश

(एजेंसी)।

सीएम योगी ने गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया है. यह पुस्तक मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा. मेले के शुभारंभ के मौके पर सीएम योगी ने कहा, 'पुस्तकें हमेशा नई प्रेरणा देती हैं. हमें उनसे जुड़ना चाहिए.'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया. यह पुस्तक मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा. कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के ओर से कराया जा रहा है. शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने बच्चों को पुस्तकें दीं और स्कूली विद्यार्थियों से संवाद भी किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी अच्छी पुस्तकें होती हैं.

जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि यह पुस्तक महोत्सव आने वाले 9 दिनों तक 200 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी रुचि की पुस्तकें खरीदने का शानदार अवसर प्रदान करेगा. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'पीएम मोदी हमेशा कहते हैं वेन सिटिजन, कंट्री लीड यानी जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है.' सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर की भूमि इसलिए भी विशेष है क्योंकि पिछले 100 वर्षों से गीता प्रेस भारत और विश्व में सनातन धर्म की विचारधारा को अपनी पुस्तकों के माध्यम से पहुंचा रहा है. उन्होंने साहित्यकार फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद, प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी जैसे लेखकों का स्मरण किया और हाल ही में दिवंगत साहित्यकार श्रीराम दरस मिश्र को श्रद्धांजलि दी.

उपराष्ट्रपति ने श्रीकाकुलम जिले के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद भगदड़ पर गहरा दुख व्यक्त किया

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद भगदड़ पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की जान जाने को अत्यंत दुखद बताते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस त्रासदी से गहरा दुःख हुआ है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद भगदड़ से मुझे गहरा दुःख हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने एकता नगर में 'भारत पर्व-2025' का प्रारंभ कराया

भारत पर्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'राज्य अनेक-राष्ट्र एक', 'समाज अनेक-भारत एक', 'भाषा अनेक-भाव एक' तथा 'रंग अनेक-तिरंगा एक' मंत्र को उजागर करता है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

एकता नगर में भारत पर्व द्वारा 15 दिनों तक समग्र भारत तथा भारतीय परंपराएँ पुनर्जीवित होने वाली हैं : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता नगर में 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती पर विशेष प्रस्तुति आयोजित होगी

गांधीनगर, 01 नवम्बरःमुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, आदिजाति विकास तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री श्री पी. सी. बरंडा व अन्य महानुभावों की उपस्थिति में 'भारत पर्व-2025' का शुभारंभ कराया।

अखंड भारत के निमार्ता तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उत्सव के हिस्से के रूप में एकता नगर में इस भारत पर्व का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस

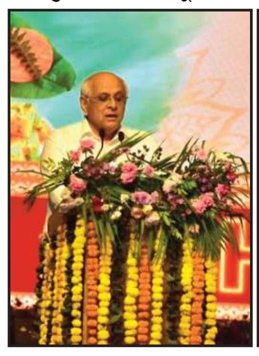

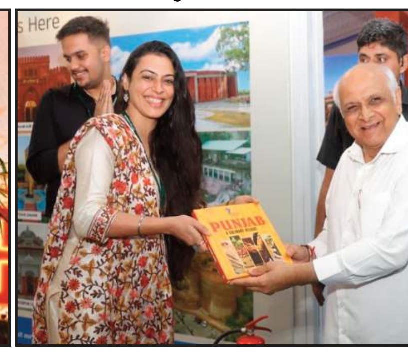

अवसर पर कहा कि यह भारत पर्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'राज्य अनेक-राष्ट्र एक', 'समाज अनेक-भारत एक', 'भाषा अनेक-भाव एक' तथा 'रंग अनेक-तिरंगा एक' को चरितार्थ करता है। इस भारत पर्व में लोगों को 'अनेकता में एकता, यही हमारी विशेषता' का भाव प्रदर्शित करने वाली संस्कृति की झलक मिलने वाली है।

श्री पटेल ने जोड़ा कि विश्व नेता एवं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू) के निर्माण द्वारा सरदार साहब को उत्तम श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि सरदार साहब ने 562 रजवाड़ों के विलय से एक भारत का निर्माण किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकास के मार्ग पर श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि स्वतंत्रता के दशकों बाद हमें प्रधानमंत्री के रूप में एक ऐसा नेतृत्व मिला है, जिसने हृदय में 'स्व' का नहीं, 'समस्त' का झ्र 'राष्ट्रहित प्रथम' का ही विचार रखा है। श्री पटेल ने आगे कहा कि स्वतंत्रता के बाद वर्षों तक सरदार जयंती केवल एक परंपरागत कार्यक्रम बन गई थी, परंतु हमारे मोदी साहब ऐसे विजनरी लीडर हैं कि जो किसी को न सूझे, वह उन्हें सूझता है। मोदी साहब ने सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा भारत की एकता के लिए दिए गए बहुमूल्य योगदान का यथोचित गौरव किया है।

मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि मोदी साहब ने 2014 से सरदार साहब की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की प्रेरणा देशवासियों को दी है। उन्होंने कहा कि सरदार साहब के विराट कार्य जितनी ही विराट विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से यह वनवासी प्रदेश विश्व के मानचित्र पर चमका है। वही व्यवस्थाएँ, वही प्रशासन, फिर भी यदि विशिष्ट विजन हो, तो स्थिति को कैसे बदला जा सकता है, यह मोदी साहब ने एसओयू एवं एकता नगर के निर्माण से सिद्ध किया है।

भारत पर्व के विषय में श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस भारत पर्व में प्रतिदिन शाम को दो-दो राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ की जाएंगी। 45 फूड स्टॉल तथा एक लाइव स्टूडियो किचन का आयोजन किया गया है, जिसमें विभिन्न राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के व्यंजन परोसे जाएंगे।

इसके अतिरिक्त; 55 हस्तकला तथा हथकरघा स्टॉल भी लगाए गए हैं। यहाँ भारत दर्शन पैवेलियन में विभिन्न राज्यों के पैवेलियन बनाए जाए हैं, जिनमें उन राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक विशेषताओं को दशार्या जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडाजी की भी इस वर्ष 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इस उपलक्ष्य में एकता नगर में 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती पर विशेष प्रस्तुति आयोजित होगी।

'आसियान के साथ हमारी रणनीतिक भागीदारी इस साझा विश्वास पर आधारित है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव मुक्त रहना चाहिए': रक्षामंत्री

भारत का हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विधि के शासन और नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता पर जोर देना किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

"भारत महासागर की भावना के अनुरूप संवाद, साझेदारी और व्यावहारिक सहयोग के माध्यम से रचनात्मक योगदान को जारी रखने के लिए तैयार है।": श्री सिंह

(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 01 नवंबर, 2025 को मलेशिया के कुआलालंपुर में 12वें एडीएमएम-प्लस कार्यक्रम में कहा, "विधि के शासन पर भारत का जोर विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, और भारत-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा के लिए है।" 'एडीएमएम-प्लस के 15 वर्षों पर चिंतन और आगे का रास्ता तैयार करना' विषय पर मंच को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि आसियान के साथ भारत का रणनीतिक जुड़ाव सिर्फ लेन-देन का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-चालित है और यह इस साझा विश्वास पर आधारित है कि भारत-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव से मुक्त रहना चाहिए।

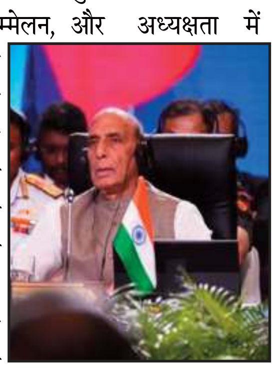

उन्होंने कहा कि मलेशिया की अध्यक्षता में "समावेशीपन और स्थिरता" पर जोर देना सामयिक और प्रासंगिक है और सुरक्षा में समावेशिता का अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि आकार या क्षमता की परवाह किए बिना सभी राष्ट्रों की क्षेत्रीय व्यवस्था को आकार देने और उससे लाभ प्राप्त करने में भूमिका हो। श्री सिंह ने कहा कि स्थिरता का तात्पर्य ऐसे सुरक्षा ढांचे का निर्माण करना है जो झटकों के प्रति लचीले हों, उभरते खतरों से निपटने में सक्षम हो और अल्पकालिक संरेखण के बजाय दीर्घकालिक सहयोग पर आधारित हों। उन्होंने कहा, "भारत के लिए ये सिद्धांत उसके अपने रणनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। हिंद-प्रशांत के लिए भारत का सुरक्षा दृष्टिकोण रक्षा सहयोग को आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी साझाकरण और मानव संसाधन उन्नति के साथ एकीकृत करता है। सुरक्षा, विकास और स्थिरता के बीच अंतसंबंध, आसियान के साथ साझेदारी के प्रति भारत के दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं।"

श्री राजनाथ सिंह ने एडीएमएम-प्लस को भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक अनिवार्य घटक बताते हुए कहा कि आसियान और प्लस देशों के साथ रक्षा सहयोग को क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और क्षमता निर्माण में योगदान के रूप में देखा जाता है।

मांडविया ने ईपीएफओ स्थापना दिवस पर नागरिक-केंद्रित, प्रौद्योगिकी-संचालित सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की आवश्यकता बताई

ईपीएफओ के भविष्य के लिए नया अध्याय लिखें; संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ें: डॉ. मांडविया

केंद्रीय श्रम मंत्री ने कर्मचारी नामांकन योजना 2025 का शुभारम्भ किया

ईपीएफओ ने अपना 73वां स्थापना दिवस मनाया

(एजेंसी)।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अपना 73वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रम एवं रोजगार सचिव सुश्री वंदना गुरनानी, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (सीपीएफसी) श्री रमेश कृष्णमूर्ति, केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के सदस्य, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के वरि ठ अधिकारी, ईपीएफओ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डॉ. मनसुख मांडविया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए देश के कार्यबल की सामाजिक और वित्तीय कल याण सुनिश्चित करने में ईपीएफओ की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की। उन्होंने संगठन से आग्रह किया कि वह नए उद्देश्य और दूरदर्शिता के साथ "नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण में एक नया अध्याय लिखे।"

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "ईपीएफओ केवल एक कोष नहीं है—यह सामाजिक सुरक्षा में देश के कार्यबल के भरोसे का प्रतिनिधित्व करता है। इस स्थापना दिवस के अवसर पर, यह सभी अधिकारियों को नई प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान करेगा, और आने वाले वर्षों के लिए एक विजन तैयार करने के लिए प्रेरित करेगा। यह विजन ईपीएफओ की संकल्प से सिद्धि की यात्रा का मार्गदर्शन करेगा।"

डॉ. मांडविया ने जोर देकर कहा कि दक्षता, पारदर्शिता और सहानुभूति ईपीएफओ के परिवर्तन की प्रेरक शक्तियां बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, "हर सुधार स्पष्ट और सरल शब्दों में कर्मचारियों तक पहुंचना चाहिए ताकि बदलाव का असर उनके जीवन में सीधे महसूस हो।" अधिकारियों से व्यावसायिक दक्षता और करुणा के माध्यम से विश्वास बनाए रखने का आ'ान करते हुए, उन्होंने कहा, "ईपीएफओ को सेवा वितरण में निष्पक्षता, गति और संवेदनशीलता सुनिश्चित करके नागरिकों का विश्वास मजबूत करना जारी रखना चाहिए। आइए, हम विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ते हुए सामाजिक सुरक्षा में वैश्विक मानक स्थापित करें।"

अपने संबोधन में, सचिव (श्रम एवं रोजगार) सुश्री वंदना गुरनानी ने ईपीएफओ के एक अनुपालन-आधारित निकाय से एक नागरिक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित होने की सराहना की।

सम्पादकीय

आये दिन धार्मिक स्थलों में भगदड़ के दौरान हो रहीं मौतों पर लगनी चाहिये रोक

आंध्र प्रदेश के श्रीकावुलम जिला स्थित काशी बुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गईं और घायलों की संख्या ज्यादा है जबकि एक घायल श्रद्धालु की हालत गंभीर है। दरअसल शनिवार को प्रबोधिनी व देवोत्थानी एकादशी तुलसी विवाहोत्सव और भीष्म पंचक का पर्व था। इसलिए मंदिर में भीड़ तो उमड़नी ही थी। यह मंदिर निजी स्वामित्व का है और राज्य सरकार के धर्मस्व विभाग के अंतर्गत नहीं है। मंदिर में पहली मंजिल पर प्रतिष्ठित मूर्तियां हैं और वहां पहुंचने के लिए श्रद्धालु सीढ़ी का इस्तेमाल करते हैं। शनिवार को भी जब ज्यादा भीड़ हो गईं तो सीढ़ी के रेलिग टूट गईं। इसके बाद कईं श्रद्धालु 6 फीट नीचे गिर गए। श्रद्धालुओं के ऊपर भी श्रद्धालु गिर गए। इससे 9 श्रद्धालुओं की तो तत्काल मौत हो गईं और एक मौत की गणना बाद में हुईं जबकि घायलों की संख्या एक दर्जन से ज्यादा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है? मंदिर के स्वामी का तो कोईं स्पष्टीकरण आया नहीं जबकि जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों का दो टूक कहना है कि मंदिर प्रबंधन ने न तो पुलिस को इस कार्यंव्रम के बारे में कोईं सूचना दी और न तो उन्होंने इस आयोजन के लिए पुलिस से किसी तरह की अनुमति ली। इस मंदिर के प्रति काशी बुग्गा और खासकर कावुलम जिले के लोगों में विशेष श्रद्धा है। इसलिए भीड़ ज्यादा होती है।

बहरहाल इस बात से इंकार तो नहीं किया जा सकता कि मंदिर के मालिकों ने समुचित प्रबंधन नहीं किया अन्यथा भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था भी होती और रेलिग टूटने के बाद घायलों को बचाने की व्यवस्था भी संभव थी। लेकिन स्थानीय प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो सकता। संबंधित पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में क्या गतिविधियां चल रही हैं अथवा होने वाली हैं, संबंधित तहसील में क्या वुछ बड़ा होने वाला है, इसकी जानकारी बीट के पुलिसकमा को भलीभांति होती है।

छोटी से छोटी घटना की जानकारी जब बीट के सिपाही, हवलदार और सब इंस्पेक्टर को होती है तो क्या उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि इतने महत्व के सनातनी पर्वो पर श्रद्धालुओं की भीड़ हो सकती है! पुजारी और सामान्य धार्मिक प्रवृत्ति के लोग इस बात का अनुमान नहीं लगा पाते कि भीड़ कितनी हो सकती है किन्तु एक लोक सेवक को पहले ही अनुमान लग जाता है। इस घटना से जुड़े वुछ ऐसे सवाल हैं जिनका उत्तर नहीं मिलेगा और यही कारण है कि भीड़ मौत को टाल पाना संभव नहीं है। ये सवाल हैं कि उस मंदिर में क्या पहली बार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है? क्या संबंधित सब डिवीजन में डिप्टी कलेक्टर के रिकार्ड में इस मंदिर में दर्शनार्थियों का रिकार्ड मौजूद नहीं है? क्या संबंधित थाना क्षेत्र के एसएचओ या सीओ को पता नहीं था कि काशी बुग्गा में वेंकटेश्वर मंदिर स्थित है और उसमें दर्शनार्थियों की अच्छी खासी भीड़ लगती है? सच तो यह है कि मंदिर प्रबंधन तो लापरवाह है ही स्थानीय प्रशासन भी निकम्मा है। निकम्मा इसलिए है कि वह स्वतः सव्रियता नहीं दिखाता। दुःखद तथ्य तो यह है कि भीड़ प्रबंधन पर कोईं गंभीरता से सोचता ही नहीं। इसलिए आए दिन धार्मिक आयोजनों में एक के बाद दूसरी घटनाएं होती हैं फिर उसकी जांच होती हैं। जांच रिपोर्ट को पढ़ने और उस पर कार्रवाईं करने की कोईं सुनिाित नीति नहीं है इसलिए जांच रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता है। यही कारण है कि न तो आयोजकों को श्रद्धालुओं के मरने की आशंका होती है और न ही स्थानीय प्रशासन को अनुमान। ऐसे में भगदड़ में श्रद्धालुओं की जान जाने की घटना दोबारा न हो, यह संकल्प भी कोईं नहीं लेता।

राज्यों के विकास से राष्ट्र की प्रगति को बढ़ावा मिलने वाले मार्गदर्शक सिद्धांत से प्रेरित होकर हम एक विकसित भारत के निर्माण के मिशन में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं: श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में शांति शिखर – ध्यान केंद्र के उद्घाटन पर ब्रह्माकुमारीज को संबोधित किया

विश्व शांति की अवधारणा भारत के मूल चिंतन का अभिन्न अंग है: प्रधानमंत्री

हम प्रत्येक जीव में परमात्मा को देखते हैं, हम स्वयं में अनंत को देखते हैं; यहां प्रत्येक धार्मिक अनुष्ठान एक संस्कारपूर्ण आ'ान के साथ संपन्न होता है जो विश्व के कल्याण और सभी जीवों के बीच सद्भावना का आ'ान है: प्रधानमंत्री

जब भी दुनिया में कहीं भी कोई संकट या आपदा आती है, तो भारत एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में मदद के लिए आगे आता है, प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में कार्य करता है: श्री नरेन्द्र मोदी

प्रविष्टि तिथि: 01 ठडश 2025 12:40ढट्ु८ ढक्ह ञ्रै

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान के आधुनिक केंद्र "शांति शिखर" के उद्घाटन के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन बहुत ही विशेष है क्योंकि छत्तीसगढ़ अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ झारखंड और उत्तराखंड ने भी अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के कई अन्य राज्य आज अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। श्री मोदी ने इन सभी राज्यों के निवासियों को उनके स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, "राज्यों के विकास से राष्ट्र की प्रगति को बढ़ावा मिलने वाले मार्गदर्शक सिद्धांत से प्रेरित होकर हम एक विकसित भारत के निर्माण के मिशन में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।"

प्रधानमंत्री ने भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कई दशकों तक ब्रह्माकुमारीज परिवार से जुड़े रहना उनके लिए सौभाग्य की बात रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस आध्यात्मिक आंदोलन को एक वटवृक्ष की तरह विकसित होते देखा है। श्री मोदी ने 2011 में अहमदाबाद में आयोजित 'फ्यूचर ऑफ पावर' कार्यक्रम, 2012 में संस्था की 75वीं वर्षगांठ और 2013 में प्रयागराज कार्यक्रम को याद किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली आने के बाद भी चाहे वह आजादी का अमृत महोत्सव से जुड़ा अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान हो, या जल जन अभियान से जुड़ने का अवसर हो, जब भी उन्होंने उनसे बातचीत की है तो लगातार उनके प्रयासों की गंभीरता और समर्पण को देखा है।

श्री मोदी ने ब्रह्माकुमारी संस्था के साथ अपने गहरे व्यक्तिगत जुड़ाव का ज़िक्र करते हुए दादी जानकी के स्नेह और राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी के मार्गदर्शन को अपने जीवन की अनमोल स्मृति बताया। उन्होंने कहा कि वे 'शांति शिखर – एक शांतिपूर्ण विश्व अकादमी' की अवधारणा में उनके विचारों को साकार होते हुए देख रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में यह संस्था वैश्विक शांति की दिशा में सार्थक प्रयासों का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगी। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए उपस्थित सभी लोगों और देश-विदेश में ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएँ दीं।

श्री मोदी ने एक पारंपरिक कहावत का जिक्र करते हुए समझाया कि आचरण ही धर्म, तप और ज्ञान का सर्वोच्च रूप है और सदाचार से कुछ भी अप्राप्य नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सच्चा परिवर्तन तब होता है जब शब्दों को कर्म में रूपांतरित किया

जाता है और यही ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यहाँ की प्रत्येक बहन कठोर तपस्या और आध्यात्मिक अनुशासन से गुजरती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संस्था की पहचान ही विश्व और ब्रह्मांड में शांति की प्रार्थना से जुड़ी है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि ब्रह्माकुमारीज का पहला आ'ान "ॐ शांति" है – जहाँ 'ॐ' ब्रह्म और संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतीक है और 'शांति' शांति की आकांक्षा का प्रतीक है। यही कारण है कि ब्रह्माकुमारीज के विचार प्रत्येक व्यक्ति की आंतरिक चेतना पर इतना गहरा प्रभाव डालते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, "विश्व शांति की अवधारणा भारत के मूल चिंतन और आध्यात्मिक चेतना का अभिन्न अंग है।" उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो प्रत्येक जीव में दिव्यता और स्वयं में अनंतता का दर्शन करता है। भारत में प्रत्येक धार्मिक अनुष्ठान विश्व कल्याण और सभी जीवों के बीच सद्भावना की कामना के साथ संपन्न होता है। श्री मोदी ने कहा कि ऐसी उदार सोच और आस्था एवं विश्व कल्याण की भावना का सहज संगम भारत के सभ्यतागत चरित्र का अभिन्न अंग है। भारतीय अध्यात्म न केवल शांति का पाठ पढ़ाता है, बल्कि हर कदम पर शांति का मार्ग भी दिखाता है। उन्होंने कहा कि संयम से आत्म-ज्ञान, आत्म-ज्ञान से आत्म-साक्षात्कार और आत्म-साक्षात्कार से आंतरिक शांति प्राप्त होती है। इस मार्ग पर चलकर शांति शिखर अकादमी के साधक वैश्विक शांति के माध्यम बनेंगे।

श्री मोदी ने वैश्विक शांति के मिशन में विचारों की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि व्यावहारिक नीतियों और प्रयासों के साथ-साथ भारत इस दिशा में अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयासरत है। प्रधानमंत्री ने कहा, "जब भी दुनिया में कहीं भी कोई संकट या आपदा आती है तो भारत एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में मदद के लिए आगे आता है और इस तरह की स्थितियों में सबसे पहले प्रतिक्रिया देता है।"

श्री मोदी ने कहा कि आज की पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच भारत दुनिया भर में प्रकृति संरक्षण के लिए एक अग्रणी आवाज बनकर उभरा है। श्री मोदी ने प्रकृति प्रदत्त संसाधनों के संरक्षण और उन्हें समृद्ध करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह तभी संभव है जब हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहना सीखें। हमारे शास्त्रों और सृष्टिकर्ता ने हमें यही सिखाया है। उन्होंने कहा कि हम नदियों को माँ मानते हैं, जल को ईश्वर मानते हैं और वृक्षों में ईश्वर का स्वरूप देखते हैं। यही भावना प्रकृति और उसके संसाधनों के उपयोग का मार्गदर्शन करती है—केवल दोहन के इरादे से नहीं, बल्कि वापस देने की भावना से। जीवन का यह तरीका दुनिया को एक सुरक्षित भविष्य का विश्वसनीय मार्ग प्रदान कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत पहले से ही भविष्य के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को समझ रहा है और उन्हें निभा रहा है। उन्होंने 'एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड' जैसी पहलों और भारत के 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया तेजी से इन विचारों से जुड़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने भू-राजनीतिक सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए मिशन लाइफ की शुरूआत की है।

प्रधानमंत्री ने समाज को निरंतर सशक्त बनाने में ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि शांति शिखर जैसी संस्थाएं भारत के प्रयासों में नई ऊर्जा का संचार करेंगी और इस संस्था से निकलने वाली ऊर्जा देश और दुनिया भर के लाखों लोगों को वैश्विक शांति के विचार से जोड़ेगी। श्री मोदी ने अपने भाषण के समापन पर एक बार फिर शांति शिखर – शांतिपूर्ण विश्व अकादमी की स्थापना पर सभी को बधाई दी।

दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड जीतने के बाद दीपिका सिंह ने कहा – कलर्स के 'मंगल लक्ष्मी' ने बदला मेरा कॅरियर, बना टर्निंग पॉइंट

(एजेंसी)।

भारतीय टेलीविजन जगत के लिए एक और जश्न का मौका आया है। कलर्स के शो 'मंगल लक्ष्मी' में दृढ़, संवेदनशील और सशक्त मंगल की भूमिका निभा रहीं दीपिका सिंह को प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके कॅरियर की उपलब्धि तो है ही, साथ ही उनके निजी जीवन की भी एक भावनात्मक जीत है। दीपिका कहती हैं — 'दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड पाने का सबसे खास पल मेरे पापा की प्रतिक्रिया थी। वो हमेशा मुझे आशीर्वाद देते रहे हैं, लेकिन इस बार उनकी आवाज में जो गर्व था, वह मेरे दिल में हमेशा के लिए बस गया।'

दीपिका की यात्रा भी उनकी किरदार मंगल की तरह रही है — हिम्मत, प्यार, विश्वास और जीवन की अनपेक्षित चुनौतियों से जूझने की कहानी। वो बताती हैं — 'मैं अपने सफर, अपने फैंस के प्यार, और हर प्रोत्साहन के लिए आभारी हूँ — यहाँ तक कि कठिन दौरों के लिए भी। एक समय था जब मुझे लगा कि मेरा अभिनय कॅरियर शायद खत्म हो जाएगा। वो समय दर्दनाक था, लेकिन उसने मुझे गहराई दी, मेरे अभिनय को संवेदनशीलता दी, और मुझे मजबूत बनना सिखाया। आज मैं उसके लिए भी शुक्रगुजार हूँ।'

दीपिका आगे कहती हैं — 'यह अवॉर्ड अब मेरे लिए और भी मायने रखता है क्योंकि अब मैं एक माँ हूँ। काम और मातृत्व के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। एक समय ऐसा था जब मैं अपने बेटे को छोड़कर कहीं जाना नहीं चाहती थी। तब मेरे पति रोहित ने मुझे मेरी पहचान और मेरे हुनर की याद दिलाई। उनके विश्वास की वजह से ही 'मंगल लक्ष्मी' मेरे जीवन में आया। शुरूआत में मुझे संदेह था कि मैं सब कुछ संभाल पाऊँगी या नहीं, लेकिन उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। आज जब हम 600 एपिसोड्स के करीब हैं, तो मुझे लगता है यह उपलब्धि सिर्फ मेरी नहीं है — यह मेरे पूरे परिवार की है, जिन्होंने मुझे संभाला ताकि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकूँ। मैं कलर्स की पूरी टीम, अपने निर्देशक, सह-कलाकारों, लेखकों और पूरी क्रू की आभारी हूँ — यह अवॉर्ड हम सबका है।'

दीपिका ने निमार्ता सुजाना घोष के प्रति भी आभार व्यक्त किया — ह्लमैं सुजाना मैम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे मेरे पुराने काम के आधार पर स्टीरियोटाइप नहीं किया और विश्वास किया कि मैं कुछ अलग कर सकती हूँ।' वो आगे कहती हैं — ह्लमुझे प्रेरणा प्रसिद्धि से नहीं मिलती, बल्कि अपने काम की सच्चाई से मिलती है। मुझे डर हमेशा यही रहता है कि कहीं मैं किसी सीन के साथ न्याय न कर पाऊँ। भले ही स्थिति काल्पनिक हो, पर भावना सच्ची होनी चाहिए। मैं हर सीन में अपनी सच्चाई डालती हूँ — पूरे जुनून और समर्पण के साथ। मैं दर्शकों की आभारी हूँ जिन्होंने मेरे इसी सच्चे प्रदर्शन को 'मंगल' के रूप में स्वीकारा।'

देखिए 'मंगल लक्ष्मी' हर दिन रात 9 बजे, सिर्फ कलर्स पर

समुद्री सूचना साझाकरण कार्यशाला 2025

हिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना

(एजेंसी)।

भारत का सूचना संलयन केंद्र झ हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) 03 से 05 नवंबर, 2025 तक अपने प्रमुख कार्यक्रम ह्लसमुद्री सूचना साझाकरण कार्यशाला (एमआईएसडब्ल्यू-2025)' के तीसरे संस्करण की मेजबानी गुरुग्राम में करने जा रहा है। ह्लहिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना' विषय पर आधारित यह कार्यक्रम एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में उभरेगा, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सहयोगात्मक तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित है।

एमआईएसडब्ल्यू के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना

भारत के 'क्षेत्रों में सुरक्षा एवं विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति' दृष्टिकोण के अनुरूप, सूचना संलयन केंद्र झ हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) विभिन्न कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनमें सबसे प्रमुख है समुद्री सूचना साझाकरण कार्यशाला (एमआईएसडब्ल्यू)।

एमआईएसडब्ल्यू का पहला संस्करण 2019 में आयोजित किया गया था और अपनी स्थापना के बाद से यह एक प्रमुख परिचालन मंच के रूप में विकसित हुआ है। यह मंच दुनिया भर के कार्य-स्तर के पेशेवरों को एक साथ लाकर सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के आदान-प्रदान, अंतर-संचालन को सुदृढ़ करने और विश्वास-आधारित सूचना साझाकरण को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। एमआईएसडब्ल्यू केवल संवाद का मंच नहीं है, यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री खतरों — जैसे समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट, मादक पदार्थों की तस्करी, अनियमित मानव प्रवासन, और वैश्विक समुद्री व्यापार को प्रभावित करने वाली अन्य चुनौतियों — के प्रति सामूहिक व समन्वित प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करता है। इस प्रकार एमआईएसडब्ल्यू न केवल समुद्री सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करता है, बल्कि एक सुरक्षित, स्थिर और समावेशी समुद्री वातावरण के निर्माण की दिशा में भी ठोस योगदान देता है।

बातचीत से कार्रवाई तक: एमआईएसडब्ल्यू 2025 एक नया रास्ता दिखाता है

एमआईएसडब्ल्यू-25 अब 03 से 05 नवंबर 2025 तक आयोजित होने वाला साझेदार देशों और क्षेत्रीय संगठनों के साथ सामरिक सहयोग और सहभागिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वर्ष की कार्यशाला का विषय ह्लहिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना' भागीदार देशों के साझा दृष्टिकोण और सामूहिक प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करता है। एमआईएसडब्ल्यू-25 केवल संवाद का माध्यम भर नहीं है; यह उभरते गैर-पारंपरिक समुद्री खतरों का मुकाबला करने में सूचना और प्रौद्योगिकी के परिचालन उपयोग पर केंद्रित एक व्यावहारिक मंच के रूप में विकसित हुआ है।

सीसीपीए ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों और अनुचित व्यापार कार्य प्रणालियों के लिए दीक्षांत आईएएस और अभिमनु आईएएस कोचिंग सेंटरों पर आठ-आठ लाख रुपये का जुमार्ना लगाया

(एजेंसी)।

केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के अंतर्गत गुमराह करने वाले विज्ञापनों, अनुचित व्यापार कार्य प्रणालियों और उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त होने के लिए आईएएस दीक्षांत और आईएएस अभिमनु के खिलाफ अंतिम आदेश पारित किया है। प्रत्येक पर आठ-आठ लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।

यह निर्णय उपभोक्ताओं को कानूनी संरक्षण प्रदान करने के लिए उनके अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया था कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन बनाया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो।

दोनों मामलों में, केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सफल यूपीएससी उम्मीदवारों से प्राप्त अभ्यावेदन पर संज्ञान लिया, जिनके नाम और तस्वीरों का उपयोग उनकी सहमति के बिना उनके परिणामों का श्रेय लेने वाले विज्ञापनों में किया गया था। उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर, मुख्य आयुक्त श्रीमती निधि खरे और आयुक्त श्री अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने आईएएस दीक्षांत और आईएएस अभिमनु के खिलाफ आदेश जारी किए हैं।

- दीक्षांत आईएएस का मामलाः सीसीपीए को सुश्री मिनी शुक्ला (एआईआर 96, यूपीएससी सीएसई 2021) का एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ, जिन्होंने बताया कि संस्थान की

प्रचार सामग्री में उनकी सहमति के बिना उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह दीक्षांत आईएएस से कभी जुड़ी नहीं थीं और उन्होंने केवल चहल अकादमी में एक मॉक इंटरव्यू में भाग लिया था, जिसके बारे में उन्हें बाद में पता चला कि यह दीक्षांत आईएएस के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

सीसीपीए ने पाया कि दीक्षांत आईएएस ने "यूपीएससी सीएसई 2021 में 200+ परिणाम" का दावा करते हुए विज्ञापन प्रकाशित किए थे, जिनमें सफल उम्मीदवारों की तस्वीरें और नाम दिखाए गए थे, लेकिन उनके द्वारा लिए गए विशिष्ट पाठ्यक्रमों का खुलासा नहीं किया गया था। संस्थान कई अवसरों के बावजूद विश्वसनीय प्रमाणों के साथ इस दावे की पुष्टि करने में असमर्थ रहा।

दीक्षांत आईएएस ने दावा किया कि छात्रों ने उसके साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रम (आईजीपी) में भाग लिया था और यह कार्यक्रम चहल अकादमी के साथ संयुक्त रूप से संचालित किया गया था। हालाँकि, प्राधिकरण ने पाया कि दीक्षांत आईएएस "200+ परिणाम" के अपने दावे के स्ᐨथान पर केवल 116 नामांकन पत्र ही प्रस्तुत कर सका। वह चहल अकादमी के साथ कोई समझौता या ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत करने में भी विफल रहा जिससे यह पता चले कि छात्रों को कार्यक्रम की संयुक्त प्रकृति के बारे में सूचित किया गया था। वर्तमान मामले में, यह पाया गया है कि वह परीक्षा के सभी चरणों के लिए "यूपीएससी सीएसई 2021 में 200+ परिणाम" का पूरा श्रेय ले रहा था, क्योंकि उसने जानबूझकर संभावित उम्मीदवारों से सफल उम्मीदवारों द्वारा लिए गए विशिष्ट पाठ्यक्रम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी।

उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 उपभोक्ताओं को सूचित किए जाने का अधिकार प्रदान करता है, जिसमें सत्य और सटीक जानकारी प्राप्त करने का अधिकार भी शामिल है जो उन्हें तर्कसंगत विकल्प चुनने में सक्षम बनाता है। भ्रामक विज्ञापन इस अधिकार को कमजोर करते हैं और उपभोक्ता हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में जहाँ इच्छुक व्यक्ति अपना महत्वपूर्ण समय, प्रयास और वित्तीय संसाधन लगाता है। वर्तमान मामले के तथ्य यह स्थापित करते हैं कि विपक्षी पक्ष ने भ्रामक विज्ञापन जारी करके और सफल अभ्यर्थियों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम और मॉक इंटरव्यू सत्र की संयुक्त प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर कानून की धारा 2(28) और 2(47) का उल्लंघन किया है।

जाँच से पता चला कि विज्ञापनों में जानबूझकर सफल उम्मीदवारों द्वारा किए गए पाठ्यक्रमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई गई थी। इस चूक से यह गलत धारणा बनी कि दीक्षांत आईएएस ने उनकी समग्र यूपीएससी तैयारी में योगदान दिया था, जबकि उनका जुड़ाव केवल साक्षात्कार चरण तक ही सीमित था। इस तरह के भ्रामक दावे उन लाखों उम्मीदवारों को गलत तरीके से प्रभावित कर सकते हैं जो अपनी तैयारी में महत्वपूर्ण समय, प्रयास और पैसा लगाते हैं।

हज यात्रियों के लिए एक बड़ी उपलब्धिः नवी मुंबई में बहुत जल्द एक नया हज हाउस बनकर तैयार होगा

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य हज अवसंरचना को मजबूत करना और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए सुविधाओं को बढ़ावा देना है

(एजेंसी)।

नवी मुंबई के खारघर में जल्द ही एक नया हज हाउस बनकर तैयार होगा। यह परियोजना अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा हज अवसंरचना के आधुनिकीकरण और हज यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में एक बड़ा कदम है।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव, डॉ. चन्द्र शेखर कुमार ने भारतीय हज समिति (एचसीओआई) और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के साथ खारघर में नए हज हाउस के प्रस्तावित स्थल का दौरा किया।

सचिव ने अपने दौरे में आगामी सुविधा के लेआउट एवं डिजाइन योजना की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों के साथ परियोजना के कार्यान्वयन की समय-सीमा एवं तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरे में संपर्क, रसद एवं सुविधाओं पर भी चर्चा हुई जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि नए हज हाउस में हज यात्रियों की आवश्यकताओं को प्रभावी रूप से पूरा किया जा सके।

इससे पहले, सचिव ने मुंबई में भारतीय हज समिति, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में अगामी हज 2026 की तैयारियों पर चर्चा हुई, जिसमें मुंबई स्थित मौजूदा हज हाउस का संरचनात्मक ऑडिट एवं सुधार शामिल था। चर्चा में यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि सभी हितधारकों के बीच सहज समन्वय स्थापित हो जिससे हज यात्रियों को सुरक्षित एवं निर्बाध तीर्थयात्रा का अनुभव प्राप्त हो सके।

बैठक में कुछ अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) और प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) की समीक्षा भी की गई। सचिव ने समय पर कार्यान्वयन, संसाधन का इष्टतम उपयोग और अल्पसंख्यक समुदायों को लाभान्वित करने वाले मापनीय परिणामों के महत्व पर बल दिया।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय हज संचालन के लिए अवसंरचना को मजबूत करने के कार्य को जारी रखते हुए पूरे देश में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए समावेशी विकास एवं सशक्तिकरण पहल को आगे बढ़ा रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

मुंबई सेंट्रल पर सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई,

सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025 समारोह के एक भाग के रूप में सार्वजनिक सेवाओं में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के विरुद्ध सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने तथा नागरिकों और रेलवे कर्मचारियों के बीच ईमानदारी और नैतिक आचरण के महत्व पर बल देने के लिए स्टेशन परिसर में एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री कुलदीप कुमार जैन, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी, कर्मचारी और यात्री उपस्थित थे। भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के सामूहिक संकल्प के प्रतीक के रूप में एक वॉकथॉन का भी आयोजन किया गया। इसके बाद श्री कुलदीप कुमार जैन ने अधिकारियों के साथ एक संवादात्मक चर्चा की, जिसमें सतर्कता प्रथाओं, रोकथाम के उपायों और कार्य संस्कृति में पारदर्शिता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कार्यक्रम का समापन प्रशासन और कर्मचारियों द्वारा एकता दिवस शपथ लेने के साथ हुआ, जिसमें एकता, अखंडता और राष्ट्र की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

विवाहिता के ऊपर ससुराली पक्ष नें धारदार हथियार से किया हमला-

पीड़िता की शिकायत पर चार के विरुद्ध मुकदमा

खखरेरु/फतेहपुरः- थाना क्षेत्र के जहाँगीर नगर गहुरा निवासनिय रोशनी बानों पत्नी आमिर, नें थाने में शिकायती पत्र देते हुए बताया की अपने ससुराल से अलग माता पिता द्वारा बनवाएं गए मकान में रहती हुँ। इसके बाद भी ससुराली पक्ष वाले आए दिन मारपीट करते हैं बीते 25 अक्टूबर को पीड़िता अपने घर में थी तभी वसीम, कुरैशा बानों, इरफान, व झूरी, कुल्हाड़ी,लाठी डंडे के साथ घर पर चढ़कर गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया। इसके बाद पीड़िता के घर में रखी गृहस्थी को तहस नहस कर दिया। घर पर मौजूद पीड़िता की मां को भी बुरी तरह मारा पीटा गया। इस बीच इरफान हांथ में लिए तमंचा जान से मार देने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। पीड़िता नें पुलिस को यह भी बताया की यह सभी दबंग प्रवृत्ति के लोग हैं। पीड़िता समेत उसकी मां व लडके को जान माल का खतरा हैं।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह, नें बताया की शिकायत के आधार पर चार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रहीं हैं।

सराय खालिस में लगी चौपाल, जनसमस्याओं का हुआ समाधान

जिला विकास अधिकारी साधना दीक्षित ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, दी योजनाओं की जानकारी

(एजेंसी)।

असोथर विकासखंड के ग्राम पंचायत सराय खालिस में शुक्रवार को जिला विकास अधिकारी साधना दीक्षित के नेतृत्व में जनचौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और उनका मौके पर ही समाधान किया गया।

चौपाल के बाद जिला विकास अधिकारी साधना दीक्षित ने ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। उन्होंने नाली और तालाब किनारे फैली गंदगी को देखकर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने निमार्णाधीन नाली की गुणवत्ता की भी जांच की और कार्य को मानक के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी ने तालाब के अंदर फैली हुई काई देखकर असंतोष जताया और उसकी सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब के चारों ओर वृक्षारोपण न होने

पर ग्राम पंचायत सचिव को फटकार लगाई। इस पर सचिव ने बताया कि अगले सत्र में तालाब के चारों किनारों पर वृक्षारोपण कराया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ सीधे पात्रों तक पहुंचे। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में चौपाल लगाकर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।

चौपाल में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विकलांग, विधवा एवं वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला योजना, शौचालय निर्माण, किसान सम्मान निधि, स्वयं सहायता समूह, ओडीएफ (खुले में शौच से मुक्ति) सहित अन्य सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला विकास अधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र व्यक्तियों को सभी योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि चौपाल से उन्हें अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिला है।

चौपाल में ग्राम प्रधान स्मिता देवी, ग्राम पंचायत सचिव दीपक तिवारी, संयुक्त खंड विकास अधिकारी कमलेश कुमार, सहायक विकास अधिकारी (सांख्यिकी) अर्पित रस्तोगी, समाज कल्याण एवं ग्राम विकास अधिकारी अमनदीप शुक्ला, पंचायत सहायक आकांक्षा देवी, ब्लॉक समन्वयक आदेश श्रीवास्तव, ब्लॉक मिशन प्रबंधक प्रताप सिंह एवं प्रियंका सिंह, रोजगार सेवक ज्ञानेंद्र सिंह और मुख्य सेविका रजनी गुप्ता सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

विधानसभा समितियां जनसेवा की दिशा में विधायिका की ताकत का प्रतीक हैं – विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

(एजेंसी)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के समिति कक्ष में आज विधानसभा अध्यक्ष माननीय श्री सतीश महाना ने विधानसभा की विभिन्न समितियों की बैठकों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्राक्कलन समिति, महिला एवं बाल विकास संबंधी समिति, आश्वासन समिति, प्रतिनिहित विधायन समिति तथा संसदीय अनुश्रवण समिति की बैठकें आयोजित हुईं।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि जनता ने सेवा करने का अवसर दिया है। प्रत्येक सदस्य, चाहे पक्ष का हो या विपक्ष का, जनता के प्रति जवाबदेह है। जो अधिकार हमें दिए गए हैं, उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। अधिकारियों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जवाबदेही जनप्रतिनिधियों की ही होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी दल से हों, लक्ष्य सबका एक होना चाहिए — जनसेवा और जनता के विश्वास की रक्षा। उन्होंने आगे कहा कि समितियां विधायिका का अभिन्न हिस्सा हैं, जो कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करती हैं। ये समितियां विधायिका की शक्ति का प्रतीक हैं और लोकतंत्र के सुचारू संचालन में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। जो जितने बड़े पद पर होता है, उसे उतनी ही आलोचना सहने की प्राक्कलन समिति के सभापति श्री मुकेश चौधरी ने कहा कि अध्यक्ष जी से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

विधानसभा समितियां मिनी विधानसभा की तरह कार्य करती हैं और सरकार की विश्वसनीयता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी संविधान से बंधे हुए हैं, विधायिका का सम्मान क्षमता रखनी चाहिए। समय के साथ विधायिका की कई शक्तियां कार्यपालिका को हस्तांतरित हो गई हैं, इसलिए अब जरूरत है कि हम अपने अधिकारों और दायित्वों को फिर से सशक्त करें।

विधानसभा के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने सभी को सम्मान दिया है और सदन की गरिमा को बढ़ाया है। न जाने कितने अध्यक्ष आए, लेकिन महाना जी जैसा कोई नहीं।

महिला एवं बाल विकास संबंधी समिति की सभापति श्रीमती कृष्णा पासवान ने कहा कि जब से अध्यक्ष बने हैं, सभी सदस्यों का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने अध्यक्ष महाना का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

आश्वासन समिति के सभापति श्री राजपाल बालियान ने कहा कि अध्यक्ष जी के मार्गदर्शन से समिति अपने कार्यों का कुशल संचालन कर पा रही है।

प्रतिनिहित विधान समिति के सभापति श्री राजीव सिंह बब्बू भैया ने कहा कि अध्यक्ष जी के दिशा-निर्देशन से उन्हें हमेशा प्रेरणा मिलती रही है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना के सभापतित्व में अनुश्रवण समिति की बैठक में सदस्य श्री अभय सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विधानसभा की कार्यप्रणाली में आज भी जनता के विश्वास और जवाबदेही का आभास होता है।

मंडी समिति क्रय केंद्र असोथर में सुबह से बैठे थे कर्मचारी परंतु कोई किसान धान लेकर नहीं आया

मंडी में पचरा सन्नाटा मंडी में चल रहा है निर्माण कार्य धान डालने की नहीं है जगह।

(एजेंसी)।

असोथर। नगर पंचायत स्थित मंडी समिति क्रय केंद्र असोथर मैं सुबह से यस एम आई कांटा लेकर बैठे थे परंतु कोई किसान धन लेकर नहीं आया क्रय केंद्र में

सन्नाटा पसरा रहा वही मंडी समिति में निर्माण कर चल रहे हैं जिससे ध्यान डालने की कोई जगह भी नहीं है एस एम आई अखिलेश कुमार ने बताया मंडी सचिव मंडी में निर्माण कर रहे हैं इस पर उनसे कोई लेना-देना नहीं है हम के केंद्र में

कांटा पानी पीने की व्यवस्था सारी सुविधाएं कर ली है जैसे किसान धान लेकर आता है तो उसका धान तौल कराया जाएगा।

एल.सी. सिंह की किताब 'द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स' हुई लॉन्च

(एजेंसी)।

जाने-माने टेक्नोलॉजिस्ट, कॉर्पोरेट लीडर और कहानियाँ बयां करने में माहिर, एल.सी. सिंह ने इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पहली किताब, "द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स" लॉन्च की। दिशानेक्स्ट द्वारा प्रकाशित यह किताब एमेजॅन, फ्लिपकार्ट और देश भर के सभी चुनिंदा बुकस्टोर्स पर उपलब्ध है। इस आयोजन में कला, शिक्षा और व्यवसाय जगत की उन जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया, जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाले एल. सी. सिंह के सफर में उनके सहयोगी रहे हैं।

'द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स' की शुरूआत में ही यह बताया गया है कि जीवन की पहली लौ कैसे जगी, कैसे उसने खुद को कई गुना बढ़ाया, पहचान बनाई और फिर जीवन के मायने बनाए रखने के लिए ईश्वर, समय और अहम् जैसे विचारों का निर्माण किया। बेहद खूबसूरत कहानी की तरह लिखी गई और अनमोल दार्शनिक विचारों से भरी यह किताब हमें इकोटाइम से अवगत कराती है — यह इंसानी जज्बातों की ऐसी घड़ी है, जो बताती है कि दिल टूटने का एहसास एक दशक से भी ज्यादा लंबा क्यों लग सकता है, और सुकून भरी जादू की झप्पी एक पल की तरह क्यों महसूस होती है। यह किताब बताती है कि, किस तरह तनाव से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया तेज होती है और प्यार कैसे उसमें सुधार लाता है। यह किताब जवाब देने की कोशिश नहीं करती। इसके बजाय, यह उन सभी चीजों को आईना दिखाती है जिन्हें हम सच मानते थे, और उसे गहराई से सोच-विचार एवं जिज्ञासा के जरिए वास्तविकता को हमारे सामने लाती है।

यह किताब पचास सालों के अध्ययन और चिंतन पर आधारित है। यह ज़िंदगी के वजूद, सिस्टम्स थीअरी, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में एल.सी. सिंह के लंबे समय तक अध्ययन से प्रेरित है। यह किताब अचानक मिले ज्ञान के बाद नहीं लिखी गई है, बल्कि यह इस बात पर किए गए सालों के गहरे अध्ययन पर आधारित है कि हम कौन हैं, हमारा वजूद क्यों जरूरी है और हमारी पसंद तथा नापसंद के पीछे की वजह क्या है। एक टेक्नोलॉजिस्ट, फोटोग्राफर और लेखक होने के साथ-साथ फिल्म 'बनारसः ए मिस्टिक लव स्टोरी' (2006) के निर्देशक एवं निमार्ता के रूप में, उनके सफर का दायरा दूरदराज के गाँवों से लेकर दुनिया भर के बोर्डरूम तक, हार्वर्ड से बनारस तक, और विज्ञान से मौन तक विस्तृत है। वे जीवन भर ज्ञान और अस्तित्व के सिद्धांत का अध्ययन करते रहे हैं।

द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स के लेखक, एल.सी. सिंह कहते हैं, "टेक्नोलॉजी और कामयाबी से हटकर, हमारी असल पहचान तो हमारे जज्बात ही हैं। ये जज्बात ही हमारे फैसलों को राह दिखाते हैं, हमारे भीतर हमदर्दी का भाव जगाते हैं और हमें इंसान बनाते हैं। यह किताब हमें बस यही समझाती है।"

यह विज्ञप्ति लॉन्च के बाद जारी की गई है, जब इस किताब को दुनिया भर के लोगों से पहले ही काफी तारीफ मिल चुकी है। बफेलो यूनिवर्सिटी, रवठ के अध्यक्ष, डॉ. सतीश के. त्रिपाठी कहते हैं, "एल.सी. सिंह की 'द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स' सच में अपने ज्ञान की चमक बिखेरने वाली किताब है, जो मेटाफिजिक्स, फिलॉसफी, विज्ञान और वेदान्तिक ज्ञान को बड़ी खूबसूरती से एक धागे में पिरोकर जीवन के सबसे मुश्किल सवालों को आसानी से समझाती है। यह किताब पढ़ने वालों को हिम्मत के साथ जीवन के उन गूढ़ रहस्यों को जानने का अवसर देती है, जो भले ही कभी-कभी उलझे हुए हों, पर सदा ज्ञान देने वाले होते हैं।"

के. वी. श्रीधर (पॉप्स), चीफ क्रिएटिव ऑफिसर एवं ग्लोबल ब्रांड लीडर, कहते हैं, "गहरी सोच वाली, कविताओं जैसी सुंदर, और विज्ञान की समझ से भरी होने के बावजूद यह किताब बेहद सरल — सचमुच लाजवाब है।"

ICANN के उपाध्यक्ष और सिडनी ओलंपिक स्टेडियम के पूर्व सीईओ, क्रिस चैपमैन लिखते हैं,

"जब विश्वास फीका पड़ जाए, तो क्या बाकी रह जाता है? मैं हर दूसरे दिन खुद से बस यही पूछता हूँ। एल.सी. सिंह की किताब विज्ञान और दर्शन को एक साथ मिलाकर और समझने में आसान तरीके से यही बुनियादी सवाल पूछती है। यह किताब सबसे अलग है, जिसकी गहरी बातों ने मेरी चिंताओं को कम करने में मदद की।" लोकप्रिय लेखक, निर्देशक एवं निमार्ता, पंकज शुक्ला लिखते हैं, "यह किताब संगीत के मूल में बसे उस राग को छेड़ती है, जिसे हम जीवन कहते हैं।" द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स उन लोगों के लिए है जिन्हें जवाब पाने की जल्दी नहीं है, बल्कि वे सवालों पर तसल्ली से विचार करना पसंद करते हैं। यह किताब उन लोगों के लिए है जो अपने वजूद को समझना चाहते हैं, विचारपूर्वक पढ़ते हैं और इस बारे में जानने के इच्छुक हैं कि नामों और हमारे मन में बसी धारणा के पीछे क्या रहस्य छिपा है।

खानकाह उर्स में गागर की रस्म अदा की गई।

(एजेंसी)।

सलोंनं रायबरेली । तहसील मुख्यालय सलोंनं के वार्ड मियां साहब का फाटक में स्थित खानकाह नईमिया, करीमिया, में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 148 वा सालाना उर्स में रश्मि गागर आज अदा की गई। यह रस्म गागर सज्जादानशीन शाह अहमद हुसैन की सरपरस्ती में जूलूस निकलकर गागर की रस्म पूरी हुई। जहां तमाम विभिन्न प्रांतो एवं विभिन्न

जनपदों से आए जाएरिन को गागर का पानी वितरित किया गया। इस मौके पर डॉ जहीर हुसैन जाफरी, मुदस्सिर जाफरी, नसीर जाफरी ,मंसूर जाफरी, सैयद मोबिन अहमद समेत नगर, ग्रामीण अंचल व जनपद एवं अन्य प्रांत से आए बड़ी तादाद में लोग मौजूद रहे।

फीनिक्स पलासियो में 'द लखनऊ स्पेक्ट्रम 2025' का हुआ शुभारंभ -

देशभर से आए 111 कलाकार, प्रदर्शनी में दिखी भारतीय कला के रंगों की झलक

(एजेंसी)।

लखनऊ, 1 नवम्बर 2025: फीनिक्स पलासियो मॉल में नवंबर का महीना कला और रंगों से सजा रहेगा। फ्लोरेंसेंस आर्ट गैलरी की पहल 'द लखनऊ स्पेक्ट्रम 2025' पूरे महीने चलने वाला एक आर्ट फेयर है, जिसमें देशभर के कलाकार अपनी पेंटिंग्स, स्कल्पचर, मूर्तियां और पारंपरिक कला पेश कर रहे हैं। इस फेयर का उद्घाटन शनिवार को श्री संजय प्रसाद प्रमुख सचिव (होम एंड इनफॉरमेशन) ने किया। इसमें फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के रीटेल डायरेक्टर नॉर्थ, श्री संजीव सरीन, मार्केटिंग हेड विनय शहाणे और भूपेन्द्र कुमार अस्थाना, राजेश कुमार व गोपाल सामंतराय (क्यूरेटर) मौजूद रहे। फीनिक्स पलासियो लखनऊ सिर्फ.

एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि कला और कल्चर को बढ़ावा देने वाला एक बड़ा मंच बन गया है। यहाँ आर्ट शो और प्रदर्शनियों के जरिए स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को एक साथ लाया जा रहा है, ताकि लोग उनकी कला को करीब से देख सकें और महसूस कर सकें। ह्लबियॉन्ड ऑर्डिनरी-ट्रेडीशनल टू कंटेम्परेरी आर्ट'जैसी प्रदर्शनियाँ इसी सोच को आगे बढ़ाती हैं, जहाँ ट्रेडीशनल वैल्यूज और मॉडर्न सोच एक साथ नजर आती हैं। कला रोजमर्रा की ज़िंदगी को खूबसूरत बनाती है और लोगों को जोड़ती है। इसी सोच के साथ फीनिक्स पलासियो शॉपिंग के साथ-साथ एक ऐसा शानदार माहौल बना रहा है, जहां लोग खरीदारी के साथ कल्चर, क्रिएटिविटी और कला की खूबसूरती का भी आनंद ले सकें। फ़्लोरेसेंस आर्ट गैलरी की निदेशक नेहा सिंह और फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के रीटेल डायरेक्टर फीनिक्स मिल्स लिमिटेड नॉर्थ, श्री संजीव सरीन का मानना है कि ह्ललखनऊ स्पेक्ट्रमञ्ज2025 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कल्पना, संवाद और नवाचार का उत्सव है। हमारा उद्देश्य कला को वह साझा भाषा बनाना है, जो कलाकार और दर्शक के बीच की दूरी मिटाकर संवेदनशील संवाद स्थापित करे। इस फेयर की शुरूआत 1 नवंबर को दोपहर 3:30 बजे साउथ एट्रियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस और उद्घाटन के साथ हुई। इसमें फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के रीटेल डायरेक्टर नॉर्थ, श्री संजीव सरीन, विनय शहाने हेड मार्केटिंग फीनिक्स पलासियो, क्यूरेटर भूपेंद्र कुमार अस्थाना, राजेश कुमार और गोपाल सामंतराय उपस्थित रहे। 'द लखनऊ स्पेक्ट्रम 2025' में देशभर के 100 से ज्यादा कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। यहां लोगों को भारतीय कला के अलग-अलग रूप देखने और कलाकारों से सीधे बातचीत करने का मौका मिलेगा। फीनिक्स पलासियो के कई हिस्सों में पूरे महीने प्रदर्शनी लगाई जाएगी ताकि यहाँ आने वाले सभी लोग इसे देख सकें। प्रदर्शनी में उत्तर

हमारे विधानमंडल ऐसी संस्थायें हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और जनता के विश्वास एवं भरोसे का प्रतीक हैं: लोकसभा अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ के विधान सभा का नया भवन लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के सरकार के दृष्टिकोण को दशार्ता है: लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा अध्यक्ष ने विधान सभा के नये भवन के उद्घाटन पर छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी

(एजेंसी)।

रायपुर, 1 नवंबर, 2025: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज रायपुर में छत्तीसगढ़ विधान सभा के नए भवन का उद्घाटन किया, जो राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस नवीन भवन का उद्घाटन समारोह राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने इस समारोह में भाग लिया और छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधानमंडल ऐसी संस्थाएँ हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और नागरिकों की आस्था एवं आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन संस्थाओं में होने वाली चचाओं और विचार-विमर्श की गुणवत्ता ही लोकतंत्र की मजबूती और शासन की सफलता का निर्धारण करती है।

श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि विधान सभा का नया भवन राज्य में समावेशी विकास और सुशासन को बढ़ावा देगा और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के विजन को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नए भवन का उद्घाटन देश भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

विधान सभा का नया परिसर आधुनिक वास्तुकला के अनुसार डिजाइन किया गया है और उन्नत डिजिटल अवसंरचना सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। श्री बिरला ने कहा कि इससे विधायकों को लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और नीति निर्माण एवं लोक कल्याण में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देने का अवसर मिलेगा।

श्री बिरला ने गरिमा, संवाद और लोकतांत्रिक व्यवहार की उच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए भवन में ये परंपराएँ और सुदृढ़ होंगी, और यह भवन लोकतांत्रिक आदर्शों का जीवंत केंद्र बनेगा एवं जनप्रतिनिधियों को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय; छत्तीसगढ़ विधान सभा के अध्यक्ष, डॉ. रमन सिंह; संसद सदस्यगण, मंत्रीगण, विधायकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री श्याम लाल पाल जी द्वारा अनुमोदित लखनऊ महानगर की 51 सदस्यों की कार्यकारिणी घोषित

(एजेंसी)।

आज समाजवादी पार्टी, लखनऊ महानगर पर एक विशेष बैठक हुई जिसमे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी की अनुमति से समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री श्याम लाल पाल जी द्वारा अनुमोदित लखनऊ महानगर की 51 सदस्यों की कार्यकारिणी घोषित की।

बैठक के दौरान एस0आई0आर0 से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी भी सभी से सांझा की गयी है।

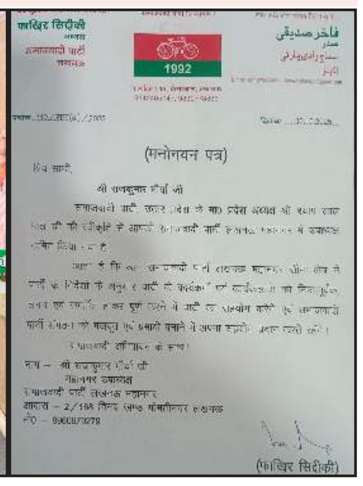
(मनोनयन पत्र)
(फाखिर सिद्दीकी)

समाजवादी पार्टी लखनऊ महानगर की कार्यकारिणी लखनऊ महानगर अध्यक्ष श्री फाखिर सिद्दीकी ने घोषित की।

(एजेंसी)।

आज दिनांक 01 नवम्बर 2025 को समाजवादी पार्टी, लखनऊ महानगर पर एक विशेष बैठक हुई जिसमे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी की अनुमति से समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री श्याम लाल पाल जी द्वारा अनुमोदित लखनऊ महानगर की कार्यकारिणी लखनऊ महानगर अध्यक्ष श्री फाखिर सिद्दीकी ने घोषित की।

51 सदस्यीय घोषित कार्यकारिणी में गौरव सिंह यादव को लखनऊ महानगर महासचिव एवं राजवीर सिंह को कोषाध्यक्ष सहित 08 उपाध्यक्ष 15 सचिव 25 सदस्य सहित विधानसभाओं के अध्यक्ष मनोनीत किये गये है।

बैठक के दौरान एस0आई0आर0 से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी भी सभी से सांझा की गयी है।

दहेज उत्पीड़न केस में पांच दोषियों को दो-दो साल जेल

(एजेंसी)।

मोहित हिन्दू जिला संवादाता बाराबंकी।

अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर 48 ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में पांच दोषियों को दो-दो साल का कारावास व एक एक हजार रूप्ये के अर्थ दंड से दण्डित किया।

थाना घूघटेर में दस साल पहले नेहा ने दहेज उत्पीड़न को लेकर सूचना दी थी। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। तत्कलीन विवेचक ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र अदालत पर दाखिल किए। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट ने दोनों पक्ष के अधिवक्ता की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। पुलिस ने केस में साक्ष्य संकलन का काम किया।

कोर्ट ने अभियुक्त रितेश यादव, रामाधार यादव, शिवपता उर्फ रामदेवी पत्नी रामाधार यादव निवासी नरोत्तमनगर दक्षिणी थाना सिधौंली जनपद सीतापुर व आशाराम, कमलेश निवासी रत्नापुर थाना सिधौंली जनपद सीतापुर को दो दो साल का कारावास व एक एक हजार रुपए अर्थ दंड से दण्डित किया।

निधि यादव को प्रदेश प्रवक्ता बनने से सपाईयों में हर्ष

(एजेंसी)।

फूलपुर प्रयागराज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के स्वीकृति पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने युवा नेत्री हंडिया की पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रही निधि यादव को प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया है निधि यादव के मनोनयन पर फूलपुर प्रयागराज समाजवादी पार्टी कार्यकताओं मे हर्ष मनाया निधि यादव के मनोनीत होने पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नसीर उद्दीन राईन ने बुके भेटकर के स्वागत किया और कहा की निधि यादव छात्रों, नौजवानों, किसानो ब्यापारियो महिलाओ की हक कि लडाई उत्तर प्रदेस के पूवार्चंल से लेकर पश्चिमांचल तक रुहेलखण्ड से लेकर बुंदेलखंड तक लडाई लगती रहती है और समाजवादी परिचम को भी बुलंद करती रहती है जिसका नतीजा अखिलेश यादव ने महत्वपूर्ण पद से नवाजकर पूरे प्रदेश के नौजवानों महिलाओ मे उर्जा भर दिया है पी. डी. ए. जननायक अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं को हमेशा सम्मान बढाते रहते है ऐसे मे राष्ट्रीय नेतृत्व को आभार व्यक्त करते है! इस दौरान सभासद अरशद उल्लाह,शौरभ यादव, फिरोज राईन, सुहेल अहमद, अनिल केसरी, मोईद अंसारी,कुमार मंगल, मुराद मंसूरी,मो. इरफान, वाजिद तुफानी,अखिलेश यादव, अतीक अंसारी,सुजीत यादव, गुलफाम इदरीसी,आदि सैकडो कार्यकर्ता मौजूद रहे!

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र शुरू: पहले दिन फ्री सफारी, लेकिन सड़कें खराब व नियम उल्लंघन से सैलानी परेशान

(एजेंसी)।

ब्यूरो रिपोर्ट नवल किशोर शर्मा पीलीभीत

पीलीभीत टाइगर रिजर्व (ढळफ) के द्वार शनिवार से पर्यटकों के लिए खुल गए। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने हवन-पूजन के बाद तीसरे बराही गेट से सत्र का शुभारंभ किया। हरी झंडी दिखाकर सफारी वाहन रवाना किया। पहले दिन स्कूली बच्चों व सैलानियों को मुफ्त जंगल सफारी कराई गई। चूका बीच की प्राकृतिक खूबसूरती निहारी, फोटो खींचे। बराही गेट के लिए माधोटांडा कस्बे से रास्ता लेना पड़ेगा।

लेकिन शुरूआत में अव्यवस्था नजर आई। बराही गेट तक सड़कें जर्जर झ कई जगहें उखड़ीं, धूल से परेशानी। निर्माण कार्य चल रहा। पहले ही दिन नियम तोड़े गए: मंत्री के काफिले के साथ सीडीओ, एसडीएम, सीओ, ब्लॉक प्रमुख की गाड़ियां जंगल में घुस गईं। निजी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है, फिर भी ये आगे निकल गए। सैलानियों व बच्चों की गाड़ियां रुकवाईं।

डीएफओ मनीष सिंह सफारी पर थे। वन संरक्षक पीपी सिंह ने कहा, "शुभारंभ था, कुछ वाहन गए। जांच करेंगे।" सैलानी उत्साहित लेकिन व्यवस्था सुधार की मांग।

विकासखंड पहला में अधिकारियों की खाऊं कमाऊ नीति के चलते ग्राम पंचायत ठठेरिया में मनरेगा योजना में किया जा रहा भ्रष्टाचार

(एजेंसी)।

सीतापुर जिले के विकासखंड की ग्राम पंचायत ठठेरिया में अधिकारियों की खाऊं कमाऊ नीति के चलते मनरेगा योजना में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है यहां पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत प्रतिदिन लगभग एक सैकड़ा मजदूरों की हाजिरी लगाई जाती है और यह दिखाया जाता है कि यहां पर लगभग एक सैकड़ा मजदूर कार्य कर रहे हैं लेकिन अगर जमीनी हकीकत की बात की जाए तो यहां पर सिर्फ और सिर्फ चार-पांच मजदूर ही कार्य करते हुए नजर आते हैं ग्राम पंचायत ठठेरिया में दो कार्य चलते हुए दिखाए जा रहे हैं जिसमें (1)ड्रेन सफाई से बदलू के मकान तक नहर पटरी का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिस पर 38 मजदूर कार्य करते हुए दिखाए जा रहे हैं वहीं (2) मेन रोड़ से उमेश के मकान तक चकमार्ग निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिस पर 37 मजदूर कार्य करते हुए दिखाए जा रहे हैं ग्राम पंचायत में कुल 75 मजदूर कार्य करते हुए दिखाए जा रहे हैं वहीं जिम्मेदारों के द्वारा विकलांग व्यक्ति जो कि सरकारी पेंशन पाता हैं उसकी भी लगाई जा रही हाजिरी लेकिन अगर जमीनी हकीकत की बात की जाए तो यहां पर सिर्फ और सिर्फ 5 मजदूर ही कार्य करते हुए नजर आए आप समझ सकते हैं कि ग्राम पंचायत में किस तरीके से भ्रष्टाचार किया जा रहा है वहीं मामले को लेकर ग्राम

विकास अधिकारी को फोन किया गया तो महोदय के द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया जब खंड विकास अधिकारी के पास फोन किया गया तो उन्होंने भी इस भ्रष्टाचार पर कुछ बोलना उचित नहीं समझा जिससे यह साफ जाहिर होता है कि ग्राम पंचायत से लेकर विकास खण्ड के अधिकारियों की मिलीभगत के चलते मनरेगा में भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

अब देखना होगा कि उच्च अधिकारियों के द्वारा मामले पर संज्ञान लेकर कोई कारवाई की जाती हैं या फिर ऐसे ही चलता रहेगा!

सेहरामऊ पुलिस का जागरूकता चौपाल: मिशन शक्ति में साइबर सुरक्षा, हेल्पलाइन व नए कानूनों पर दी महिलाओं-छात्राओं को ट्रेनिंग

(एजेंसी)।

ब्यूरो रिपोर्ट नवल किशोर शर्मा पीलीभीत

पीलीभीत के सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने शनिवार दोपहर ग्राम पटिहन के उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता चौपाल लगाया। छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को साइबर अपराध बचाव, हेल्पलाइन नंबर व नए आपराधिक कानूनों की पूरी जानकारी दी।

उपनिरीक्षक तेज प्रताप मिश्रा ने महिला कांस्टेबल के साथ समझाया झ मिशन शक्ति महिलाओं-बालिकाओं को आत्मनिर्भर व निडर बनाता है। हिंसा या अपराध में मदद के लिए 1090 (महिला हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी), 1930 (साइबर क्राइम) व 108 (एम्बुलेंस) नंबर यूज करें।

साइबर फ्रॉड पर फोकस: फर्जी लिंक, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया स्कैम, फेक कॉल व पर्सनल डेटा शेयरिंग के खतरे बताए। संदिग्ध एक्टिविटी पर तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करें। नए कानून (भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता, साक्ष्य अधिनियम) के संशोधन पर चर्चा झ ये नागरिक अधिकार बचाते व न्याय पारदर्शी बनाते हैं।

कार्यक्रम में ढेर सारी महिलाएं, छात्र-छात्राएं, टीचर व ग्रामीण पहुंचे। पुलिस ने अपील की झ खुद अलर्ट रहें, दूसरों को जागरूक करें, सुरक्षित समाज बनाएं।

नाका क्षेत्र में नए कानूनों पर जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

चारबाग चौकी प्रभारी विश्वजीत सिंह व बशीरतगंज बीत प्रभारी अजीत राय की पहल

(एजेंसी)।

लखनऊ। नाका थाना क्षेत्र में शनिवार को ह्लनए कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान 2.0' के तहत झंडेवाला चौराहे पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व चारबाग चौकी प्रभारी विश्वजीत सिंह और बशीरतगंज बीट प्रभारी अजीत राय ने किया। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को नए आपराधिक कानूनों—भारतीय न्याय संहिता (इटर), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इटरर) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इरअ)—की जानकारी सरल और सुलभ तरीके से उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में नंदा आर्टिस्ट ग्रुप लखनऊ की टीम ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जनता को नए कानूनों के प्रमुख प्रावधानों से अवगत कराया। कलाकारों ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से बताया कि कानून की जानकारी हर नागरिक के लिए आवश्यक है, ताकि वह अपने अधिकारों और दायित्वों को समझ सके। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नए कानूनों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। साथ ही विश्वजीत सिंह चारबाग चौकी प्रभारी को इस जागरूकता कार्यक्रम का नोडल प्रभारी बनाया गया है। इस मौके पर उपनिरीक्षक अमजद अली, उपनिरीक्षक धीरज गुप्ता, सहयोगी अभिषेक त्रिपाठी, कांस्टेबल सुधीर यादव सहित पुलिस बल और भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बिनावर पुलिस का कारनामा आया सामने, मुख्य चोर को गिरफ्तार नही कर सकी पुलिस

दूसरे चोर पर इल्जाम लगाकर भेज दिया जेल। पीड़ित सपा नेता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की, सही प्रकार से जांच की मांग

(एजेंसी)।

बदायूं: थाना बिनावर पुलिस का एक नया कारनामा जिस चोर को चोरी में भेजना था जेल उसे तो ढूंढ नहीं पाई। अपने नंबर बढ़ाने के लिए दूसरे चोर पर ठोक दिया सारा इल्जाम।

आपको बताते चले मामला जनपद बदायूं के थाना बिनावर क्षेत्र के गांव बगुली नगर गांव का है। जहां एक समाजवादी पार्टी के सम्मानित पूर्व जिला सचिव बदायूं मोद प्रकाश पाल के घर पर 19 अक्टूबर रात्रि को दो अज्ञात चोरों ने उनके घर पर खिड़की की ग्रिल काट कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में थाना बिनावर पुलिस ने पीड़ित सपा नेता मोद प्रकाश पाल को पकड़े गए फजर चोर की शिनाख्त करने हेतु थाने बुलाया। इस दौरान सपा नेता ने पुलिस द्वारा पकड़े गए चोर फजर अली पुत्र सरफराज निवासी ग्राम गभयाई थाना अलापुर से जानकारी ली।

तो थाना बिनावर पुलिस द्वारा पकड़े गए चोर फजर ने समाजवादी पार्टी के नेता मोद प्रकाश पाल को बताया था कि उसने 19 नवंबर को थाना बिनावर क्षेत्र में चोरी की घटना को अंजाम नहीं दिया था। इसी क्रम में फजर ने सपा नेता को बताया कि 19 नवंबर की रात्रि को लगभग 2 से 3 बजे के बीच में उसने बदायूं खेड़ा नवादा स्थित मेडिकल स्टोर पर चोरी की थी इसके बाद वह दिल्ली की बस पकड़ कर चला गया। फजर चोर ने सपा नेता मोद प्रकाश पाल से कहा कि विश्वास ना हो तो मेरे मोबाइल की लोकेशन चेक करवा लो। इस मामले में पकड़े गए आरोपी फजर अली ने बताया कि थाना बिनावर पुलिस जबरदस्ती मुकदमा उस पर लाद रही है जबकि उसने थाना बिनावर क्षेत्र के किसी भी गांव में चोरी नहीं की है।

इस मामले में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला सचिव बदायूं मोद प्रकाश पाल बताया कि आरोपी फजर से जो जेवर प्राप्त किए गए हैं वह मेरे नहीं हैं, थाना बिनावर पुलिस अपनी बांह बाही के चक्कर में दूसरे चोर पर चोरी का सारा इल्जाम थोप कर अपना पल्ला झाड़ रही है। जिसका मुख्य कारण यह है कि थाना बिनावर पुलिस मुख्य चोर को पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है। इस दौरान समाजवादी पार्टी के सपा नेता मोद प्रकाश पाल ने मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर सही प्रकार से जांच करायें जाने की मांग की है। इस दौरान सपा नेता ने बताया कि वह आज बदायूं जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. बृजेश सिंह से मिलकर इस मामले की जांच कराने की मांग करेंगे।

जब भी मीडिया कर्मी बिनावर थाना अध्यक्ष राजेंद्र सिंह से किसी भी मामले की जानकारी लेना चाहो तो वह कहते हैं कि मैं दरोगा हूं और दरोगा कभी वर्जन नहीं देता है।

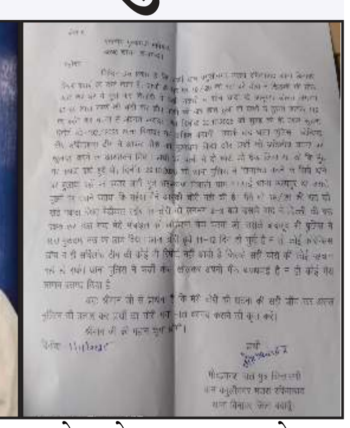

भारतीय सर्वेक्षण विभाग का नेशनल जियो प्लेटफॉर्म- डिजिटल इंडिया में स्थानिक रूप से मदद करेगा

(एजेंसी)।

भारत के राष्ट्रीय भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति, 2022 के दृष्टिकोण को लागू करने की एक प्रमुख पहल के तहत, भारत सरकार के भारतीय सर्वेक्षण विभाग (एसओआई) ने सी.ई. इन्फो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक अत्याधुनिक राष्ट्रीय भू-स्थानिक प्लेटफॉर्म विकसित करने हेतु एक समझौता किया है। यह प्लेटफॉर्म देश भर में शासन, अनुसंधान, उद्योग और नागरिक-केंद्रित अनुप्रयोगों को सहायता प्रदान करने हेतु प्रामाणिक और सटीक आधारभूत भू-स्थानिक डेटा और सेवाओं के एकत्रीकरण, समन्वय और प्रसार हेतु एक एकीकृत डिजिटल अवसंरचना के रूप में काम करेगा। यह पहल भू-स्थानिक डेटा प्रसार के लिए एक एकीकृत और सहयोगात्मक इकोसिस्टम बनाने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

नेशनल जियो-प्लेटफॉर्म ऑर्थो-रेक्टिफाइड इमेजरी, डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम), प्रशासनिक सीमाएं, जियोडेटिक रेफरेंस फ्रेम और भौगोलिक नामों सहित मूलभूत भू-स्थानिक डेटासेट के मानकीकरण, साझाकरण और प्रबंधन के लिए एक मजबूत व मापनीय प्रणाली के रूप में काम करेगा। यह वेब सेवाओं, एपीआई एवं मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सटीक और प्रामाणिक स्थानिक डेटा तक निर्बाध पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा, केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच डेटा इंटरऑपरेबिलिटी और सहयोग को बढ़ावा देगा तथा नवाचार एवं सतत विकास को बढ़ावा देगा। प्लेटफॉर्म के प्रमुख घटकों में एक भू-स्थानिक डेटा एकीकरण और प्रसार प्रणाली, एकीकृत भू-स्थानिक अनुप्रयोग इंटरफेस (आईजीएआई), और मेटाडेटा प्रबंधन के लिए एक स्थानिक डेटा रजिस्ट्री (एसडीआर) शामिल हैं।

यह सहयोग मूलभूत भू-स्थानिक डेटा के लिए नोडल एजेंसी के रूप में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के निरंतर नेतृत्व को रेखांकित करता है और डेटा-आधारित, स्थानिक रूप से सक्षम अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है जो भारत की प्रगति और समृद्धि में योगदान देगा।

हुसैनगंज पुलिस टीम द्वारा एक नफर शातिर चोर अभियुक्त को किया गिरफ्तार मिली सफलता

(एजेंसी)।

लखनऊ। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर के दिशा-निर्देश पर काम कर रही हुसैनगंज पुलिस की गिरफ्त में आया एक शातिर अभियुक्त अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण तथा अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हुसैनगंज थाना प्रभारी शिवमंगल सिंह की पुलिस को लगी सफलता हुसैनगंज थानाध्यक्ष शिवमंगल सिंह की हुसैनगंज पुलिस ने नितिन पाल उर्फ मनीष नाम के अभियुक्त को किया गिरफ्तार गिरफ्तार अभियुक्त के द्वारा पूर्व में चोरी करी गई चार पहिया वाहन अल्टो भी करी बरामद गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी शिवमंगल सिंह, एसआई नीरज कुमार पाठक, एसआई वेद प्रकाश यादव, सिपाही सुल्तान आजम को मिली बड़ी सफलता।